

15/09/25

पत्रावली पेशा हुई व कुलाय पद्मकारान उपा उन्हें लुना गया
पत्रावली एवं इसमें प्रस्तुत दस्तावेजी रिकॉर्ड का अवलोकन
किया गया जो पाया गया कि वृत्ति का कोई भी नोटिस एंड
ब्लॉकड विभाजन नहीं हुआ है। सखारदार का प्रत्येक
इस पर ~~कब्जा~~ कब्जा माना जाना वाजिब है ऐसी श्रृंखला में
अनावश्यक मुकदमें वाजी नहीं बड़े व काब्रनी पैचीदगियां
पैदा नहीं हो, इसको ध्यान में रखते हुए प्रा. पत्र स्वीकार
किया जाता है। तथा न्यायालय हाजा करार जारी स्थगन
आदेश दिनांक 03.11.2022 को ताफैसला मूल वाद
पुष्ट किया जाता है।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नंबर से कर ले, तथा
संलग्न मूल वाद हो।

उपखण्ड अधिकारी
मुसावर (भरतपुर) राज.

क्या है कि यह निगम/कंपनी का नाम है कि तुम्हारे निगम
किंतु कि 20.00.01 कंपनी का नाम है कि तुम्हारे

3/10/25
24/10/25

मुसावर (भरतपुर) राज.